4

कलीसियाः
इसकी स्थापना (1)

समय के बारे में अलग-अलग विवाद

1. **इसकी स्थापना के समय के बारे में कुछ विवादपूर्ण बातें बताएं। कुछ लोगों का कहना है: ''अदन में''; कई, ''इब्राहीम के दिनों में''; कई ''यूहन्ना बपतिस्मा देने वालों के दिनों में''; और कई, ''मसीह की निजी सेवकाई के समय में'' कहते हैं।**
2. **पर बाइबल ज़्या कहती है?**
   मसीह के पुनरुत्थान के बाद आने वाले पहले पिन्तेकुस्त के दिन।

प्रमाण

दाऊद के वंश ने उसका घर बनाना था (2 शमूएल 7:12-17; 1 इतिहास 17:11-15)

1. **इन हवालों को पढ़ें और नीचे दी गई तालिका से मिलाएं।**
2. **प्रेरितों के काम में इनके पूरा होने के हवालों को पढ़ें और देखें कि ज़्या वे नातान की भविष्यवाणी के भागों से मेल खाते हैं।**

भविष्यवाणी		पूरा होना (प्रेरितों 2:29-35)
1. दाऊद का वंश बनाएगा	पिन्तेकुस्त	1. मसीह, दाऊद का वंश है 2:30
2. उसकी मृत्यु के बाद		2. उसकी मृत्यु के बाद, 2:29
3. उसकी राजगद्दी स्थिर करेगा		3. सिंहासन पर बैठा, 2:30-35
4. मेरा घर बनाएगा		4. घर बनाया, 2:30, 47

3. **प्रेरितों 2 अध्याय की घटनाएं कब घटीं (प्रेरितों 2:1)?**

दाऊद की राजगद्दी मसीह की राजगद्दी होना (लूका 1:31-33)

1. **''दाऊद'' के नीचे और फिर ''मसीह'' के नीचे दिए गए हवालों को पढ़ें। देखें**

कि ज़्या ''दाऊद'' के नीचे दिए हवाले ''मसीह'' के नीचे दिए गए हवालों से मेल खाते और उसमें पूरे होते हैं।

दाऊद का		**मसीह का (प्रेरितों 2)**
1. दाऊद की गद्दी, 1 राजा 2:12		1. दाऊद का सिंहासन, 2:30
2. यहोवा का सिंहासन, 1 इति. 29:23		2. प्रभु का सिंहासन, 2:34, 35
3. उसकी राजगद्दी पर होना, यशा. 9:7	पिन्तेकुस्त	3. सिंहासन पर बैठा, 2:30
4. इसे स्थापित करना, यशा. 9:7		4. इसे स्थापित किया, 2:30
5. स्वर्ग में होगा, भजन 89:35-37		5. परमेश्वर के दाहिने हाथ, 2:33
6. सिंहासन पर राज्य करेगा, भजन 110:1, 2		6. राज्य कर रहा है 2:34, 35
7. सिय्योन में शासन, भजन 110:2		7. कलीसिया सिय्योन पर बनी

2. **किसने दाऊद के सिंहासन पर बैठकर शासन करना था (लूका 1:31-33)?**
3. **''एक को तेरे सिंहासन पर बिठाऊंगा'' में एक किसे कहा गया (प्रेरितों 2:30)?** ''बिठाऊंगा'' (''Set'' हिन्दी में) यूनानी शब्द कैथिज़ो (*kathizo*) से लिया गया है, जिसका अर्थ है ''किसी को राज्य प्रदान करना, प्रेरितों 2:30'' (थेयर)।
4. **तो, फिर ये भविष्यवाणियां कब पूरी हुईं (प्रेरितों 2:1)?**

भविष्यवाणियां समय की ओर संकेत करती हैं

1. **''भविष्यवाणी'' के नीचे और फिर ''पूरा होना'' के नीचे दिए गए हवालों को पढ़ें। ज़्या ये भविष्यवाणियां अक्षरश: पूरी हो चुकी हैं?**

भविष्यवाणी **(यशा 2:2, 3; मीका 4:1, 2)**		**पूरा होना (प्रेरितों 2)**
1. अन्तिम दिन		1. अन्तिम दिन, 2:17
2. यहोवा के भवन का पर्वत		2. कलीसिया, 2:47; 1 तीमु. 3:15
3. पहाड़ों पर दृढ़ किया	पिन्तेकुस्त	3. यरूशलेम पहाड़ों पर है
4. यहोवा का वचन		4. वचन तथा यरूशलेम 2:5, 14
5. व्यवस्था सिय्योन से		5. क्षमा की व्यवस्था, 2:37, 38
6. सब जातियां		6. सब जातियां, 2:5; 36-41

2. **तो फिर यशायाह और मीका की भविष्यवाणियां कहां पूरी हुईं (प्रेरितों 2:1)?**
3. **मसीह ने ज़्या कहा कि ये सब बातें कब और कहां से शुरू होंगी (लूका 24:47-49)?**

विचार करने के लिए (यशायाह 2:2, 3)

1. **कलीसिया की स्थापना यरूशलेम में, अन्त के दिनों में और सब जातियों के लिए होनी थी।**
   क. ज़्या यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने ''अन्तिम दिनों'' के बारे में कुछ कहा? नहीं। यूहन्ना कहां प्रचार करता था (मज़ी 3:1)।
   ख. मसीह किनके पास गया (मज़ी 15:24)? उसने चेलों को किनके पास भेजा (मज़ी 10:6)?
   ग. चेलों ने सब जातियों के लोगों में कब जाना था (लूका 24:49ख)? उन्होंने कहां से आरज़्भ करना था (लूका 24:47ख)?
   घ. यशायाह की सभी बातें कब और कहां पूरी होनी थीं (प्रेरितों 2:5; 36-41)?